LOK SABHA

Wednesday, August 10, 1960/Sravana 19, 1882 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock.

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

गाजीपुर के निकट गंगा पर पुल

\+

*२७३. **श्री प्रकाश वीर शास्त्री :**
श्री रामकृष्ण गुप्त :
श्री सरजू पाण्डेय :
श्री अनिरुद्ध सिंह :

क्या **रेलवे** मंत्री २१ अप्रैल, १९६० के तारांकित प्रश्न संख्या १६७८ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बता ने की कृपा करेंगे कि :

(क) गाजीपुर के निकट गंगा पर पुल बनाने के बारे में अब तक क्या प्रगति हुई है ;

(ख) क्या उस क्षेत्र में कुछ अन्य स्थानों पर पुलों के निर्माण के लिये कोई सुझाव मिले हैं ;

(ग) क्या योजना आयोग आदि से सम्बन्धित सरकारी अधिकारियों ने गाजीपुर के निकट पुल बनाने की अनुमति दे दी है; और

(घ) यदि हां, तो क्या यह पुल तृतीय पंचवर्षीय योजनाकाल में बनाया जायेगा ?

रेलवे उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) और (ख). गाजीपुर के पास गंगा नदी पर पुल बनाने की संभावना और

उसके आर्थिक पहलुओं परे अभी विचार हो रहा है। बक्सर में पुल बनाने के एक दूसरे सुझाव पर भी विचार हो रहा है ।

(ग) जी नहीं ।

(घ) अभी कुछ नहीं कहा जा सकता ।

श्री प्रकाश वीर शास्त्री : क्या मैं जान सकता हूं कि यह जो पुल बनाने की योजना पर विचार हो रहा है, इसको कब तक अंतिम रूप दिया जा सकेगा ?

श्री शाहनवाज खां : जब तक कि पूरे तौर पर विचार और दूसरे जो पहलू हैं उनके ऊपर अच्छी तरह से गौर नहीं हो जाता और इसमें जो पैसे की बात है, उसको भी नहीं देख लिया जाता और यह सब कुछ देखने के बाद आखिरी फैसला नहीं हो जाता तब तक कुछ नहीं कहा जा सकता। उसके बाद ही आखिरी फैसला होगा ।

श्री प्रकाश वीर शास्त्री : क्या मैं जान सकता हूं कि यह जो पुल गाजीपुर के निकट बनाया जाएगा, यह गाजीपुर से कितनी दूर होगा अथवा यह गाजीपुर में ही होगा ?

श्री शाहनवाज खां : यह तो बाद में देखने की बात है जब फैसला होगा कि पुल बनेगा या नहीं बनेगा ।

डा० राम सुभग सिंह : माननीय मंत्री जी ने कहा कि गाजीपुर में पुल बनाने के बारे में जांच हुई और उसके आर्थिक पहलुओं पर विचार किया जा रहा है। मैं जानना चाहता हूं कि क्या यह भी सही

है कि गाजीपुर के लोगों ने इस बात का आश्वासन दिया है कि वे लोग भी यदि सरकार चाहे तो कुछ आर्थिक सहायता देने को तैयार है ? मैं यह भी जानना चाहता हूं कि गाजीपुर और बक्सर में से किस जगह पर पुल कम खर्चे में बन पाएगा ?

श्री शाहनवाज खां : अभी तक कोई डिटेल्ड सर्वे नहीं हुआ है । लेकिन जब कोई फैसला किया जाता है कि एक बहुत बड़ा पुल बने या न बने तो वहां के लोगों की जो कोई पेशकश होती है आर्थिक मदद की उस पर ध्यान रख करके यह नहीं बनता है बल्कि दूसरे पहलुओं पर गौर करके बनाया जाता है ।

श्री सरजू पाण्डेय : माननीय मंत्री जी ने पिछले दिनों भी यही जवाब दिया था । मेरे पास एक अखबार है जो वाराणसी से निकलता है और इसमें जिला कांग्रेस कमेटी आजमगढ़ ने योजना आयोग को इस बात के लिये धन्यवाद दिया है कि गाजीपुर के पुल को तृतीय पंच वर्षीय योजना में शरीक कर लिया गया है । इसमें जो कुछ लिखा है उसको अगर माननीय मंत्री महोदय चाहें तो मैं पढ़ कर सुना सकता हूं । इसमें लिखा है :—

> 'जिला कांग्रेस कमेटी रेलवे मंत्रालय और केन्द्रीय नियोजन आयोग को गाजीपुर में गंगा नदी पर विशाल-पुल निर्माण योजना को तृतीय पंचवर्षीय योजना में सम्मिलित कर लेने पर धन्यवाद देती है " ।

मैं जानना चाहता हूं कि यह बात कहां तक सत्य है ?

रेलवे मंत्री (श्री जगजीवन राम) : जो वस्तुस्थिति है उसको तो डिप्टी मिनिस्टर साहब ने आपको बता दिया है । जब आप खुद ही फैसला कर सकते हैं कि अखबार में जो कुछ निकला है वह सही है या नहीं ।

Shri Tridib Kumar Chaudhuri: As this proposal is being handled by the Railway Ministry, may I know what is the exact proposal, whether this bridge will be from Tarighat to Ghazipur on the North-eastern Railway? May I also know whether it will be a metre gauge bridge or a broad gauge bridge?

Shri Jagjivan Ram: Preliminary inspection was made, and if it is finally decided to have a bridge there, naturally it will be from Tarighat to Ghazipur, and in that case, it will be broad gauge.

Shri C. D. Pande: In view of the growing needs of communication in future, there should be a bridge not only at Tarighat but also at places like Patna and Farrukhabad, because these are places where communication is most needed; these parts are now cut off . . .

Mr. Speaker: These are all suggestions for action.

Shri Kalika Singh: May I know if the Poona Research Institute has reported about the feasibility of the Ganga Bridge at Ghazipur?

Shri Shahnawaz Khan: I thought I had replied to that. I would like to state that during the Third Five Year Plan, a sum of Rs. 25 crores has been set aside for construction and repair of bridges. Out of this amount, Rs. 14 crores have been earmarked for rehabilitation of existing bridges, and the remaining amount has to be spent on the carry-forward or throw-forward on the Brahmaputra Bridge; also there is another major bridge coming up on the Jumna. In addition, there are a number of bridges to be constructed on the Rourkela-Drug and Godhra-Ratlam sections. So with this very small amount, we cannot go in for construction of many major bridges.

Shri Kalika Singh: My question was whether the Railway department section of the Poona Research Institute has reported about the Ghazipur Bridge?

Shri Shahnawaz Khan: No, it has not.

Sale of Unhygienic Eatables near Delhi Schools

*274. **Shri A. M. Tariq:** Will the Minister of **Health** be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the fact that scavangers and chhabriwalas sell injurious eatable stuffs like ice balls and imli preparations to school children in front of schools in Delhi and New Delhi; and

(b) if so, what action Government propose to take to stop sale of such injurious things to ensure better health of children?

The Minister of Health (Shri Karmarkar): (a) Yes, Sir.

(b) Regular raids are organized by the Municipal Corporation of Delhi and the New Delhi Municipal Committee in their respective areas to round up the hawkers to check the sale of articles of food and drink, including ice balls, imli preparation etc. in front of schools.

सेठ अचल सिंह : क्या माननीय मंत्री महोदय बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह मुनासिब नहीं है कि बच्चों से कुछ पैसे ले लिये जाया करें और उनको स्कूल में ही नाश्ता दे दिया जाया करे ?

श्री करमरकर : यह मुनासिब है ।

श्री अ० मु० तारिक : बजाय इसके कि छोट छोटे लोग जो स्कूल से बाहर ये छोटी छोटी चीजें बेचते हैं और बहुत गन्दे तरीके से बेचते हैं, क्या मिनिस्टरी आफ हैल्थ के लिये यह जरूरी नहीं है कि वह स्कूलों को एडवाइस करे कि वे छोटे छोटी कैंटीसं बनायें जो खुद लड़कों के लिये चीजें मुहया करें बजाय इसके कि लड़के मजबूर हों बाहर से चीजें खाने पर ?

[بجائے اس کے کہ چھوٹے چھوٹے لوگ جو سکول سے باھر یہ چھوٹی چھوٹی چیزیں بیچتے ھیں اور بہت گندے طریقے سے بیچتے ھیں - کیا منسٹری آف ھیلتھ کے لئے یہ ضروری نہیں ھے کہ وہ سکولوں کو ایڈوائس کرے کہ وہ چھوٹی چھوٹی کینٹیلس بنائیں جو خود لڑکوں کے لئے چیزیں مہیا کریں بجائے اس کے کہ لڑکے مجبور ھوں باھر سے چیزیں کھانے پر -]

Shri Karmarkar: I think this is also a good suggestion. As a matter of fact, I am happy to say that a few of the schools are getting the best milk available in Delhi, I mean Shri Krishnappa's milk. I am also happy to say that progressive schools are thinking in terms of providing cheap milk. The difficulty is in respect of the not so well-organised schools. In their case, I think the best solution would be to have a sort of co-operative organisation running these canteens. It is an unfortunate fact, but true, that in Delhi and New Delhi, much of this unhealthy food is selling. I wish greater attention is paid to this by the Corporation and the New Delhi Municipal authorities concerned, and also by the people by way of health education.

Shri B. K. Gaikwad: It is stated that scavengers are selling ice balls. I just want to know whether scavengers are doing their job by selling these ice balls. If that is so, may I know whether scavengers, as they come from the scavenger community, are prohibited from doing this? The Minister has replied to the question by saying 'yes'. I just want to know what does he mean by 'yes' to part (a) of the question.

Shri Karmarkar: I thought the meaning was obvious, that by 'yes', I meant that they were aware of the fact etc. etc. I am sorry that the question has been put in the way in which it has been put. But the ans-